डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 41 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 23 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

मामला तीन अरब की डोडाचूरा तस्करी का...

डोडाचूरा के रिटेलर भी सक्रिय

ट्रक वालों के लिए हाईवे पर उपलब्ध डोडाचूरा

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चीरा पद्धति में मंदसौर-नीमच में चौदह हजार से ज्यादा किसानों के डोडाचूरा के हिसाब किताब रखने की कोई योजना तैयार नहीं की गई है। ऐसे में कम से कम तीन अरब की डोडाचूरा तस्करी का अनुमान लगाया जा रहा है। अधिकांश माल तो होलसेल में अन्य राज्यों में तस्करी होता है। जिसका प्रमाण मंदसौर के अलावा अन्य जगहों पर हुई कार्रवाई है। जिसमें कई बार मंदसौर से डोडाचूरा सप्लाय की बात सामने आ चुकी है। लेकिन, स्थानीय स्तर पर भी रिटेलर सक्रिय है। रिटेल में बिकने वाला यह माल विशेषकर ट्रक चालकों के लिए होता है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि पुलिस की कई कार्रवाई बयां कर रही है। कुछ माह पहले मल्हारगढ़ पुलिस ने हाईवे के ढाबे से 75 किलो डोडाचूरा पकड़ा था। इसी तरह की कार्रवाई दलौदा पुलिस ने भी की थी। जिसमें आरोपी ने बताया था कि डोडाचूरा छोटे छोटे पैकेट में भरकर ट्रक चालकों को बेचा जाता है। अभी तक इस तरह की कई कार्रवाई हो चुकी है। हालांकि, जहां अवैध शराब को ढूंढने के लिए कई बार कार्रवाई की जाती है। उस तरह से मादक पदार्थो की खोज के लिए ढाबों तक पुलिस नहीं पहुंचती है। यहां उसके मुखबीर तंत्र भी फैल हो रहे हैं।

गुरु एक्सप्रेस लगातार

दस-बीस किलो डोडाचूरा की तस्करी संभव नहीं...

पुलिस की कई कार्रवाई में दस से बीस किलो डोडाचूरा भी पकडा गया। यह तय है कि दस, बीस या पचास किलो डोडाचूरा हरियाणा या पंजाब या अन्य किसी राज्य में नहीं जा रहा था। तय है कि डोडाचूरा की सप्लाय जिले में ही कहीं न कहीं हो रही है। डोडाचूरा का होलसेल और रिटेल बाजार जिले में तैयार हो चुका है। अगर यह कहे कि यह एक बड़ी गैंग बन चुकी है तो भी गलत नहीं होगा। डोडाचूरा छोटे छोटे पैकेट में भरा जाता है। यह पैकेट राजमार्ग पर ट्रक चालकों को बेचे जाते हैं। इस तरह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह से मंदसौर जिला डोडाचूरा के अवैध धंधे की जद में आ चुका है।

ढाबों पर काम करने वाले कर्मचारी रिटेलर...

पहले ढाबों पर डोडाचूरा ट्रक चालकों को बेचने की कई चर्चाएं सामने आया करती थी। लेकिन, शराब ढाबों पर परोसे जाने की खबरों के बाद पुलिस लगातार जांच पड़ताल कर रही है। शराब के मामले में कोई बड़ा केस नहीं बनता, लेकिन डोडाचूरा के मामले में बड़ी धराओं में केस दर्ज होता है। यहीं कारण है कि ढाबों पर अब डोडाचूरा मिलने की चर्चाएं कम हो गई है। लेकिन, सूत्रों की बात पर भरोसा करे तो ढाबों पर काम करने वाले कर्मचारियों या पूर्व कर्मचारियों की ट्रक चालकों से खासी पहचान हो चुकी है। अब यही कर्मचारी ट्रक चालकों को डोडाचूरा उपलब्ध कराते हैं।

क्यों करते हैं डोडाचूरा का नशा...

लोग मंदसौर से इंदौर तक जाने में ही पीठ दर्द की शिकायत करने लग जाते हैं। लेकिन, ट्रक चालक सोलह-सोलह घंटे बिना रुके ड्राइव करते हैं। डोडाचूरा का पाउडर पीने से नींद और थकान को महसूस नही होने देता। नींद और थकान दूर होने की वजह से हाईवे पर लंबा सफर करने वाले ट्रक ड्राइवर डोडाचूरा के आदी हो जाते हैं। दिल्ली, लखनऊ और मथुरा हाईवे पर तमाम ऐसे ढाबे हैं जहां लोग सिर्फ डोडाचूरा का पानी पीने रुकते हैं।

सेक्सवर्धक दवाओं में भी डोडा...

कुछ समय पहले यूपी पुलिस ने डोडाचूरा तस्करों को पकड़ा था। जिसमें सामने आया कि सड़क पर अक्सर तंबू लगाकर देशी दवाओं के जरिये सेक्स समस्याओं का समाधान करने वाले हकीम भी डोडा पाउडर के बड़े खरीदार हैं। तस्करों के मुताबिक सेक्स वर्धक जड़ी-बूटी बताकर लोगों को डोडा से बनी दवा थमा दी जाती है। तमाम लोग इसका डोडा के चूर्ण का नशे के लिए काढा बनाकर भी इस्तेमाल करते हैं। जिले और आसपास भी कई ऐसे नीम हकीम तंबू लगाकर डेरा डालते देखे जा सकते हैं।

युवा पड़ रहे गौरख धंधे में...

कुछ समय पहले की बात करें तो डोडाचूरा बोरियों में क्विंटलों के हिसाब से पकड़ा जाता था। इसमें बड़े तस्करों का हाथ हुआ करता था। जिसमें बीच में सिर्फ एक कुरियर होता था। बीते दिनो दलौदा पुलिस की कार्रवाई ने साबित कर दिया है कि डोडाचूरा हाईवे तक पैकेट में पहुंच रहा है। मतलब साफ है कि खेत से डोडाचूरा तस्कर के यहां। वंहां से किसी और जगह और इसके बाद रिटेलर के पास। जहां से पैकेट में पैक होता है। इस बड़ी चेन में कई युवा भी शामिल है। बेरोजगारी और कम समय में बड़ा आदमी बनने के चक्कर में कई युवा इस गौरखधंधे की और बढ रहे हैं।

हाईवे पर बेचने में मुनाफा ज्यादा...

यह तय है कि डोडाचूरा जैसी किसी प्रतिबंधित वस्तु को छोटे पैकेट में बेचा जाए तो मुनाफा ज्यादा होगा। मिलावट के साथ ही इसकी कीमत दुगुनी हो जाती है। यह तय है कि हाईवे पर पैकेट में डोडाचूरा ट्रक चालकों को बेचने पर मुनाफा ज्यादा होता है। जिससे कई रिटेलर जिले में तैयार भी हो रहे हैं।

दलाल के माध्यम से लाइसेंस बनवाने के मांगे 26 हजार रुपये...

ड्रग इंस्पेक्टर की रिश्वतखोरी उजागर

केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष को रिश्वत लेते लोकायुक्त ने रंगे हाथ पकड़ा

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अंचल के कई मेडिकलों पर चल रही धांधली में ड्रग इंस्पेक्टर की अहम भूमिका उजागर हुई है। लंबे समय से ड्रग इंस्पेक्टर आरोपो के घेरे में रहे हैं। लेनदेन के आरोप भी उन पर लगे हैं। लोकायुक्त कार्रवाई ने इन आरोपों को प्रमाणित भी कर दिया। एक व्यक्ति से मेडिकल लाइसेंस बनवाने के लिए ड्रग इंस्पेक्टर ने दलाल के माध्यम से 26 हजार रूपयों की मांग की। दलाल भी कोई ओर नहीं केमिस्ट एसोसिएशन का अध्यक्ष निकला। लोकायुक्त की टीम ने उसे रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मामले में ड्रग इंस्पेक्टर को भी आरोपी बनाया गया है। बता दे की बीजेपी के जनप्रतिनिधियों ने भी शासन को भ्रष्टचार की शिकायतों के चलते ड्रग इंस्पेक्टर को हटाने के लिए कई बार लिखा जा चूका हैं। लेकिन, अभी तक ना तो उन्हें हटाया गया ओर ना हीं कोई कार्यवाही हुई।

मेडिकल लाइसेंस बनवाने के लिए ड्रग इंस्पेक्टर के नाम से 26 हजार की रिश्वत लेते केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष चौधरी को लोकायुक्त पुलिस ने गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार डीएसपी राजेश पाठक एवं सुनील तालान की टीम ने लखन पिता कृष्ण कुमार पाटीदार निवासी वार्ड क्र 03, 3/39 कदम वाली कुई मल्हारगढ मार्ग नारायणगढ हरसोल जिला मंदसौर से 26 हजार रूपये लेते हुए केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष चौधरी को रंगे हाथ पकडा। यह रिश्वत ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुम्हार द्वारा मेडिकल स्टोर के लाइसेंस के एवज में मांगी थी। जिसे अध्यक्ष मनीष चौधरी जैन को देने के लिए बोला था। शुक्रवार शाम जैसे ही मनीष चौधरी ने रिश्वत की राशि ली। लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथ पकड लिया।

इस मामले में लोकायुक्त ने ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुम्हार एवं मनीष चौधरी के विरुद्ध धारा 7, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संसोधन 2018) के अधीन प्रकरण दर्ज क़र विवेचना में लिया।

दो महीने से कर रहे थे टालमटोल...

फरियादी लखन पाटीदार ने बताया कि वह मंदसौर जिले के ग्राम नारायणगढ में मेडिकल की दुकान संचालित करता है। पिछले दो महीने से मेडिकल के लाइसेंस के लिए भटक रहा था। मैंने जब ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश से लाइसेंस के लिए बात की तो उन्होंने कहा कि मनीष चौधरी से मिल लो। जब मैं मनीष चौधरी से मिला तो उन्होंने कहा कि मेडिकल लाइसेंस बनाने के 26 हजार रुपये लगेंगे। इसकी शिकायत मैंने लोकायुक्त उज्जैन को की। लोकायुक्त टीम ने जांच कर मनीष चौधरी को वायडी नगर थाने के पास रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

हटाने के लिए लिख चुके जनप्रतिनिधि...

भ्रष्टाचार के मामले की शिकायतो के चलते ड्रग इंस्पेक्टर को हटाने की शिकायत बीजेपी के कई जनप्रतिनिधि भी कर चुके हैं। कुछ माह पहले ही जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य मंत्री ओर प्रभारी मंत्री को पत्र लिखकर ड्रग इंस्पेक्टर को प्रदेश के दूरस्थ जिले में भेजनें की मांग की थी।

श्याम जी भी हैं दलाल...?

केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष के साथ ही एमपी ऑनलाइन का काम करने वाले एक श्याम जी भी ड्रग इंस्पेक्टर के दलाल बताये जा रहे हैं। उनके यहां से आवेदन करने का कहा जाता रहा हैं ओर उनके यहां ही भ्रष्टचार की आधी राशि पहले ही रखवा ली जाती थी? श्याम जी पर पहले भी इस तरह के आरोप लग चुके है। वे अपनी कई दुकाने भी बादल चुके हैं।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले आरोपी को 4 साल की सजा, जुर्माना भी लगाया

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा दिये गये निर्णय में आरोपी फरीद पिता उस्मान मेवाती निवासी जमालपुरा थाना वायडी नगर मंदसौर को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने पर 4 वर्ष का आजीवन कारावास एवं जुर्माना की सजा सुनाई गई है।

अपर लोक अभियोजक श्री भगवती लाल शर्मा ने प्रकरण की जानकारी देते हुए बताया कि घटना 02 जून 2022 की होकर ग्राम गुजरदा तहसील मंदसौर की है। मुलजिम फरीद पर धारा 306, 201 के अंतर्गत इस आशय का आरोप था कि उसने 02 जून 2022 को एवं इसके पूर्व ग्राम गुजरदा में मृतिका को प्रेम जाल में फंसा कर उसका अश्लील वीडियो बनाकर उसे बदनाम करने की धमकी देकर उसे मानसिक रूप से प्रताडित कर आत्महत्या के लिए प्रेरित किया जिसके परिणाम स्वरूप मृतका ने 02 जून 2022 को बुगलिया रोड पर स्थित कुएं में कूद कर आत्महत्या कर ली। आरोपी फरीद नेसाक्ष्य छुपाने के आश्रय से मोबाइल की सीम तोड़कर फेंक दी।

पुलिस द्वारा जांच में यह भी पाया गया कि मृत्यु के पूर्व 28 मार्च 2022 को पीजी गर्ल्स कॉलेज मंदसौर में मृतिका का आखिरी पेपर था और उस दिन पेपर देकर घर आने पर वह काफी घबराई हुई थी, मानसिक रूप से तनाव में थी, और उसके घर के लोगों द्वारा उसे पूछने पर वह रोने लगी थी। उसने उसकी मामी को बताया था कि फरीद पिता उस्मान मेवाती निवासी जमालपुर के साथ उसकी दोस्ती हो गई थी। फरीद के मुसलमान होने से वह उससे दूर रहना चाहती थी। लेकिन, फरीद ने उसके साथ जबरदस्ती कर आए दिन उसका पीछा कर उसे प्रताड़ित कर बदनाम करने की धमकी देकर बोलता था कि यदि वह उससे बात नहीं करेगी तो वह दोनों के बीच में क्या चल रहा है, इस संबंध को सबको बता देगा।

मृतका की मौत फरीद के द्वारा दोस्ती के नाम पर प्रेम जाल में फंसा कर उसको प्रताड़ित कर बदनाम करने की धमकी देने के कारण मानसिक प्रताड़ना की वजह से कुएं में कुदकर आत्महत्या की है। पुलिस द्वारा विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जिस पर से अभियोजन पक्ष की ओर से 12 साक्षियों के बयान न्यायालय में कराए गए और संपूर्ण मामला न्यायालय के समक्ष स्पष्ट रूप से रखा। यह प्रमाणित किया कि आरोपी फरीद के कारण ही मृतका ने आत्महत्या की है। अपराध प्रमाणित पाते हुए चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश श्री विवेक बुखारिया द्वारा आरोपी को 4 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5 हजार रूपए जुर्माना से दंडित किया गया। उपरोक्त मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी शासकीय अधिवक्ता एवं अपर लोक अभियोजक एवं लोक अभियोजक श्री भगवतीलाल शर्मा, श्री तेजपाल सिंह शक्तावत, श्री भगवान सिंह चौहान द्वारा की गई।

दसवीं में सता रहा गणित का तनाव

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गणित एक ऐसा विषय है, जिससे ज्यादातर विद्यार्थी दूर भागते हैं। ऐसे में यदि उन्हें विषय चुनने की आजादी मिल जाए तो कहना ही क्या। यह जानकर हैरानी होगी कि हर साल जिले ही नहीं, प्रदेशभर में 50 प्रतिशत बच्चे 10 वीं कक्षा में गणित छोड़ देते थे। जबकि, विशेषज्ञों के अनुसार किसी विश्वविद्यालय, कॉलेज की प्रवेश परीक्षा हो या फिर सरकारी नौकरी की प्रतियोगी परीक्षा, इन सभी में गणित के प्रश्न जरूर पूछे जाते हैं। बैंकिंग से लेकर एसएससी, सीजीएल, सी-टेट, सीडीएस, एयरफोर्स और रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी बड़ी संख्या में गणित के प्रश्न होते हैं। इन परीक्षाओं में सफलता तभी मिलती है जब गणित में मजबूत पकड़ हो। लेकिन, इस बार बेस्ट ऑफ फाइव योजना बंद होने से गणित विषय को पास करना जरुरी है। ऐसे में गणित का तनाव कुछ बच्चों को सता रहा है।

सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी पिछले एक दशक से 10 वीं कक्षा का रिजल्ट 50 प्रतिशत के आंकड़े को पार नहीं कर पा रहा था। इसलिए रिजल्ट का प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2018 बेस्ट ऑफ फाइव पद्धति लागू की गयी। इससे रिजल्ट का प्रतिशत तो बस बढ़त गया। लेकिन, बड़ी संख्या में बच्चों ने गणित विषय छोड़ दिया। अब विभाग ने इस योजना को बंद करने का प्रस्ताव दिया है, अगले साल से इसे लागू करने की योजना है।

गणित पर फोकस, तो नौकरी में आसानी...

सरकारी नौकरियों की ज्यादातर परीक्षाओं में 10वीं-12वीं तक के गणित के प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि 10वीं-12वीं के गणित पर फोकस हो। यदि इन कक्षाओं के गणित को अच्छी तरह समझ और सुलझा लिया, तो आगे के रास्ते खुल जाते हैं। आमतौर पर इन कक्षाओं में पढने के दौरान तो सवाल हल करना आसान होता है। लेकिन, बाद में जब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं, तो इन्हीं प्रश्नों को हल करना कठिन लगता है।

31 दिसंबर से 4 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। छुट्टी का नाम आते ही बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। बच्चे छुट्टी में खूब मौज-मस्ती करते हैं और अगर नए साल पर स्कूलों की छुट्टी हो जाए तो बच्चों के साथ-साथ अभिवावक और शिक्षक भी खुश हो जाते है। प्रदश में 5 दिनों का शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया गया है। इन दिनों में सभी स्कूल बंद रहेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग ने 5 दिनों का शीतकालीन अवकाश घोषित किया है। जो इस साल के अंत यानी 31 दिसंबर से शुरू होकर 4 जनवरी तक रहेगा। 31 दिसंबर को मंगलवार है और 4 जनवरी को शनिवार। यानी इन 5 दिनों के अलावा 6 जनवरी को भी रविवार के कारण छुट्टी रहने वाली है। सात जनवरी को विद्यालय प्रारंभ होंगे। 5 दिनों की छुट्टी और रविवार के कारण 6 दिनों की छुट्टी होने वाली है। जिससे छात्रों, शिक्षकों में उत्साह है। राज्य में हर साल शीतकालीन अवकाश की घोषणा की जाती है। इस साल भी विभाग ने छुट्टी की घोषणा कर दी है।

खाली प्लाट बने डेंगू के वाहक

सफाई व्यवस्था पड़ी कमजोर, बीमारियो का जोर

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। डेंगू इस साल फिर से खासा सक्रिय नजर आ रहा है। डेढ़ शतक बनाने के बाद भी खतरा टला नहीं है। नगरपालिका दवाई का छिड़काव और स्वास्थ्य विभाग की टीम सर्वे जरुर करा रही है। लेकिन, कॉलोनियों और कई पुराने क्षेत्रों में भी खाली पड़े प्लॉट डेंगू का साथ निभा रहे हैं। हो यह रहा है कि कचरा वाहन की गाड़ी में कचरा डालने की बजाय लोग खाली प्लाटों में ही कचरा डाल रहे हैं। गंदगी के कारण मलेरिया और डेंगू के मच्छर पनपने का खतरा ज्यादा बढ़ रहा है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सफाई कर्मचारी अपना शतप्रतिशत दे रहे है। लेकिन, जागरुकता का अभाव कहे या नगरपालिका द्वारा कार्रवाई का अभाव, कई खुले क्षेत्र और खाली प्लॉटों में जमा कचरे से सफाई व्यवस्था कमजोर नजर आ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को साफ व स्वच्छ बनाने के लिए 2015 में स्वच्छ अभियान की शुरुआत की। इसके बाद शासन ने प्रतिस्पर्धा का भाव जगाने के लिए 2017 से सर्वेक्षण की शुरुआत की। हर साल स्वच्छ्ता के नाम पर शासन से करीब 4 करोड़ से ज्यादा रुपए अलग-अलग मदों में नगरपालिका को मिले। इससे नपा ने घर-घर से कचरा एकत्र करने के लिए करीब पैतीस से ज्यादा वाहन क्रय किए। पद्रह लाख के चलित शौचालय क्रय किए। 3 साल तक डस्टबीन खरीदे, शौचालयों में लगाने के लिए 22 से 24 हजार की लागत से पेड मशीनें क्रय की। यहीं नहीं ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कचरा अलग करने व पैकिंग के लिए 20 लाख की मशीन, करीब 20 लाख में इलेक्ट्रॉनिक तौल-कांटा सहित 7 साल में करीब 25 से 30 करोड रुपए खर्च कर दिए। आज भी शहर की सफाई व्यवस्था में कोई सुधार नहीं आया है।

हर दिन निकालता है 50 टन से अधिक कचरा...

शहर में हर दिन 50 टन से अधिक कचरा निकलता है। इस कचरे को ट्रेंचिंग ग्राउंड तक पहुंचाने के लिए नपा हर माह बड़ी राशि खर्च कर रही है। कचरा गाडियों से लेकर डंपर, ट्रैक्टर से लेकर जेसीबी हर दिन चल रहे है, बावजूद पूरा कचरा नहीं उठ रहा। शहरभर में अनेक स्थानों पर कचरे के ढेर नजर आ रहे है, जहां पर वार्डो का कचरा एकत्र किया जाता है।

प्रतिबंधित पालीथिन को लेकर भी कार्रवाई नहीं...

इस साल स्वच्छता सर्वे में प्रतिबंधित पालीथिन के विक्रय और उपयोग को पूरी तरह से रोका जाना है। लेकिन, साल बीतने वाला है और अब तक नपा रोकथाम नहीं कर पाई है। प्रतिबंधित पालीथिन के विक्रय और उपयोग पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए नपा के पास कोई प्लानिंग ही नहीं है। अब तक प्रशासन और नगर पालिका ने प्रतिबंध का पालन करवाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किये है।

सुरक्षा के लिए- मंदसौर शहर में कई प्रमुख स्थानो पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने से किसी भी प्रकार के मामले में पुलिस को काफी मशक्कत करना पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद के आदेश के बाद शहर कोतवाली टीआई ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए स्थान का चयन किया है। शहर में पुलिस व अन्य विभागों की मदद से 25 स्थान पर और नए कैमरे लगाए जाएंगे। हालांकि, पुराने लगे हुए कैमरो में से भी कई कैमरे बंद है। जिन्हें शुरु कराया जाना भी प्राथमिकता में होना चाहिए।

छह जुआरी धराए, दो भागे

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दलौदा पुलिस ने जुआ खेलते हुए आधा दर्जन लोगों को पकड़ा है। मौके से दो जुआरी फरार हो गए। इनमें खुद को संभ्रात साबित करने वाले कथित समाजसेवी भी शामिल है।

दलौदा पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना पर सीतामऊरोड कृष्णा रिसोर्ट के सामने पुलिस ने दबिश दी। यहां से गगन पिता शंकरलाल वर्मा निवासी सीतामऊ, अर्जुन पिता बाबूलाल निवासी झावल, पीयूष पिता विनोद कुमार निवासी कुम्हारवाडा दलौदा, कन्हैयालाल पिता शिवनारायण निवासी चिरोला खाचरौद, राकेश पिता जानकीलाल निवासी सीतामऊ फाटक और कैलाश पिता जादूराम द्रविड निवासी सेमलिया काजी को पकड़ा। आरोपियो के कब्जे से 40 हजार 500 रुपए नगद बरामद किए गए। जबकि, मौके से दीपक पिता शंकरलाल पोरवाल निवासी दलौदा और लक्ष्मीनारायण पिता शिवनारायण पाटीदार निवासी रिछालाल मुंहा फरार हो गए। मामले में पुलिस ने आरोपियो के विरुद्ध 13 जुआ एक्ट के साथ ही प्रतिबंधात्मक धारा 151 की कार्यवाही की।

जैल वारंट बनाए...

सभी छह आरोपियो को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उनके जमानत आवेदन खारिज करते हुए जैल वारंट बनाए गए। माना जा रहा है कि आज शनिवार या फिर सोमवार को इनकी जमानत हो सकती है।

विचार-मंथन

जी20 सम्मेलन, वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा...

दुनिया फिलहाल जिस तरह की उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है, उसमें ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुए जी20 के सम्मेलन की अपनी अहमियत है। विश्व के प्रभावशाली देशों के शीर्ष नेतृत्वों के जुटने पर एक आम उम्मीद यह होती है कि मौजूदा विश्व में जिस तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसके संकट में तब्दील हो जाने की आशंका बन रही है, तो ऐसे में उनके हल के लिए एक ठोस निष्कर्ष सामने आए। मगर आमतौर पर होता यही है कि इस तरह की हर अंतरराष्ट्रीय बैठकों के बाद लिए गए संकल्प आने वाले वक्त में आधे-अधूरे या फिर उपेक्षित ही रह जाते हैं। सवाल है कि गंभीर समस्याओं का हल क्या अगंभीर या टालमटोल के अंदाज में निकल सकता है! इस बार ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में वैश्विक स्तर पर चुनौती के रूप खड़ी परिस्थितियों पर चर्चा जरूर हुई, घोषणापत्र में नई राह निकालने को लेकर सामूहिक रूप से उम्मीद भी जताई गई। मगर समस्याओं का समाधान करने के लिए उन पर अमल की राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। गौरतलब है कि विश्व की बीस प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के नेताओं ने सोमवार को जारी एक संयुक्त घोषणापत्र में भुखमरी की चुनौती से पार पाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझौते की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही युद्धग्रस्त क्षेत्र गाजा में ज्यादा मदद पहुंचाने के अलावा पश्चिम एशिया के साथ-साथ यूक्रेन में भी युद्ध और शत्रुता को समाप्त करने का आह्वान किया गया। रियो डी जेनेरियो में जारी संयुक्त बयान को जी20 के ज्यादातर सदस्यों का समर्थन मिला। मगर अंतरराष्ट्रीय हित का सवाल होने के बावजूद बयान को सर्वसम्मति नहीं मिली। इसमें भविष्य में अरबपतियों पर वैश्विक कर लगाने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मौजूदा पांच स्थायी सदस्यों से अलग विस्तार करने की मांग के साथ सुधारों की बात भी कही गई। सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या में विस्तार का सवाल भारत भी उठाता रहा है। मगर इस दिशा में अब तक सिर्फ बातें ज्यादा हुई हैं, कोई ठोस प्रगति जमीन पर उतरती नहीं दिखी। उम्मीद के मुताबिक, सम्मेलन में यूक्रेन से शत्रुता समाप्त करने पर जोर दिया गया। मगर यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका का जो रुख है, उसके कायम रहते हुए क्या उम्मीद की जा सकती है? वहीं रूस भी युद्ध में अपने पक्ष को सिर्फ जवाब के तौर पर देखता है। इसी तरह, इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में गाजा में कई हजार लोग मारे जा चुके हैं। मगर इजराइल के प्रति अमेरिका का नरम रुख जगजाहिर रहा है। ऐसे में सिर्फ आह्वान करने या सदिच्छा भर से युद्ध खत्म करने के हालात कैसे पैदा हो सकते हैं? यह छिपा नहीं है कि वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों की वजह से ही खाद्य, ईंधन और उर्वरक आदि का संकट पैदा हो रहा है और इससे सबसे ज्यादा विकासशील देश प्रभावित हैं। सम्मेलन में भारत ने यह मुद्दा जोर देकर उठाया भी। निश्चित रूप से मौजूदा विश्व में भुखमरी और युद्ध जैसे हालात विकास और उसकी सारी संभावनाओं को उल्टी दिशा की ओर मोड़ दे सकते हैं। इस लिहाज से प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले देशों का इससे चिंतित होना स्वाभाविक है। मगर सवाल है कि संकट के हल का लक्ष्य हासिल करने के लिए क्या केवल चर्चा करना काफी हो सकता है? जब तक समस्या को खत्म करने के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए स्पष्ट दिशा और रास्ते तय करके उस पर निर्णायक कदम नहीं बढ़ाए जाएंगे, तब तक ऐसे सम्मेलनों की सार्थकता कैसे साबित होगी!

बांग्लादेश में नए संसदीय चुनाव पर संशय बरकरार?

अरुणिम भुयान

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की ओर से नए संसदीय चुनाव कराने के बारे में की गई रहस्यमयी टिप्पणियों पर देश के राजनीतिक हलको से तीखी प्रतिक्रिया आई है। उनकी इस टिप्पणी के बाद दक्षिण एशियाई क्षेत्र में अस्थिरता की आशंका भी जताई गई है। अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरे होने पर रविवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में यूनुस ने अपने देश के लोगों से धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि एक बार चुनाव सुधारों पर निर्णय अंतिम रूप ले लेंगे, तो आपको जल्द ही चुनावों के लिए एक विस्तृत रोडमैप मिलेगा। उन्होंने कहा कि तब तक, मैं आपसे धैर्य रखने का अनुरोध करता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी चुनावी प्रणाली स्थापित करना है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बन सके। यह हमारे देश को बार-बार होने वाले राजनीतिक संकटों से बचाएगी। इसके लिए मैं आपसे आवश्यक समय मांग रहा हूं। हालांकि, कतर स्थित मीडिया आउटलेट अल जजीरा के साथ एक अलग साक्षात्कार में, यूनुस ने संकेत दिया कि अंतरिम सरकार को नए संसदीय चुनाव कराने में चार साल तक का समय लग सकता है। उन्होंने दोहा मुख्यालय वाले प्रसारक से कहा कि हालांकि अंतरिम सरकार के कार्यकाल की सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन यह निश्चित रूप से चार साल से कम होनी चाहिए, यह कम भी हो सकती है। इस साल जनवरी में हुए आम

चुनावों में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग ने चौथी बार सत्ता हासिल की। हालांकि, चुनावों का कई विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया, जिसमें मुख्य बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) भी शामिल थी, क्योंकि ये चुनाव कार्यवाहक सरकार के तहत नहीं हुए थे। फिर, इस साल जुलाई में, नौकरी में आरक्षण की समानता की मांग करने वाले एक छात्र आंदोलन ने हसीना की शासन की सत्तावादी शैली के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह का रूप ले लिया। भारत समर्थक मानी जाने वाली हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया और वे 5 अगस्त को भारत भाग गईं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने 6 अगस्त को देश की संसद को भंग कर दिया और 8 अगस्त को नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस के नेतृत्व में नई अंतरिम सरकार की स्थापना की। मौजूदा अंतरिम सरकार संविधान से इतर है क्योंकि 2011 में हसीना के शासन में इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, पहले संवैधानिक रूप से वैध ऐसी अंतरिम सरकारों को सत्ता संभालने के तीन महीने के भीतर नए चुनाव कराने का आदेश दिया गया था। यही कारण है कि नए संसदीय चुनाव कराने के बारे में यूनुस द्वारा दिए गए बयानों ने देश के राजनीतिक हलकों में चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को ढाका में नेशनल प्रेस क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए, बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार को राष्ट्र के नाम यूनुस के संबोधन पर निराशा व्यक्त की। ढाका ट्रिब्यून ने फखरुल के हवाले से कहा कि मैं थोड़ा निराश हूं। मुझे उम्मीद थी कि मुख्य सलाहकार अपनी पूरी समझदारी से समस्याओं की पहचान करेंगे। उन्हें चुनाव की रूपरेखा पर बात करनी चाहिए थी। फखरुल के अनुसार, चुनाव देश की आधी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं, भले ही बीएनपी सत्ता में आए या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग बांग्लादेश को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। वह देश को अस्थिर करना चाहते हैं। अगर जनता के जनादेश के साथ एक निर्वाचित सरकार बनती है, तो उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान, यूनुस ने आरोप लगाया था कि अपदस्थ अवामी लीग सरकार के नेता प्रशासन को अस्थिर करने और अपनी गलत तरीके से अर्जित संपत्ति के साथ सत्ता में लौटने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, फखरुल ने कहा कि जो लोग बांग्लादेश को नुकसान पहुंचाना और अस्थिर करना चाहते हैं। देश को संघर्ष में ले जाना चाहते है, अगर जनता के जनादेश के साथ एक निर्वाचित सरकार बनती है, तो उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया है कि हम केवल सुधार नहीं चाहते हैं, हमने उन्हें शुरू किया है और हम उन्हें करेंगे। हम आपसे लोगों द्वारा स्वीकृत दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का अनुरोध करते हैं। हमने अभी तक कोई बाधा नहीं डाली है। बल्कि, हम हर मामले में आपका समर्थन कर रहे हैं। तो, यूनुस ने नए संसदीय चुनाव कब होंगे, इस बारे में ऐसी रहस्यमयी टिप्पणी करके क्या संकेत दिया है? बांग्लादेश में भारत के पूर्व उच्चायुक्त पिनाक रंजन चक्रवर्ती के अनुसार, बीएनपी जो कह रही है, वह उस देश के राजनीतिक हलकों में आम सहमति का प्रतिबिंब है। चक्रवर्ती ने ईटीवी भारत से कहा कि यूनुस चुनाव कराने में देरी कर रहे हैं। यह सब यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि अवामी लीग सत्ता में वापस न आए। उन्होंने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद से, जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) और हिफाजत-ए-इस्लाम (एचईआई) जैसे इस्लामी समूह बांग्लादेश के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में बहुत सक्रिय हो गए हैं। तो, भारत के लिए अपने पड़ोस में स्थिरता के मामले में इसका क्या मतलब है? चक्रवर्ती ने कहा कि भारत के लिए (निकट भविष्य में) मुश्किल समय होगा। हमें इस्लामवादियों से परेशानी होगी। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर पूर्वी पड़ोसी देश में इस्लामी तत्व दंगा करते हैं तो भारत के पास बांग्लादेश को रोकने के लिए पर्याप्त ताकत है। बांग्लादेशी शिक्षाविद और राजनीतिक पर्यवेक्षक शरीन शाजहान नाओमी के अनुसार, वर्तमान में बांग्लादेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति चुनाव कराने के लिए अनुकूल नहीं है। ढाका से फोन पर ईटीवी भारत से बात करते हुए नाओमी ने कहा कि स्थिर होने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने यह भी बताया कि मौजूदा अंतरिम सरकार पिछली ऐसी सरकारों से अलग है। नाओमी ने कहा कि इससे पहले, राजनीतिक शासन के खत्म होने के बाद नए चुनाव कराने के लिए कार्यवाहक सरकारें कार्यभार संभालती थीं। लेकिन इस बार चुनाव हुए और नई चुनी गई सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया गया। इस तरह, यह एक अंतरिम सरकार है, कार्यवाहक सरकार नहीं। इस तरह, यह सरकार चार साल तक चल सकती है।

शहर से गांव जाने को लेकर लोगों में उत्सुकता

पावनी

एक बार रेतीले धोरों में हवा ने बहना शुरू किया। धोरों ने हवा का स्वागत किया। हवा की कल्पना रेत पर उभरने लगी। हवा और रेत गले मिलते रहे। कुछ जुगलबंदी होती रही। देखते ही देखते रेत का आंचल जीवंत होने लगा। उसकी सतह पर कुछ आकृतियां बनने लगीं। अपने अपने ऊंट लेकर आते-जाते ग्रामीण उन रेतीले नमूनों को देखकर हर्ष से भर उठे। रेत ने अपने एक अलग ही रूप में उनको खुशी और हंसी दे दी थी। यह कुदरत की रचनात्मकता है। इसे रेत और हवा, दोनों ने ही अपनी सामंजस्यपूर्ण उमंग के परिणामस्वरूप पाया था। आनंद में आकंठ डूबी हुई रेत का कण कण आते-जाते लोगों की तारीफ को सुन रहा था। आज के तकनीकी युग में हर किसी को प्रकृति के अनुपम सान्निध्य में रहकर सृजनात्मक और रचनात्मक होने की ललक है। ललित कलाओं की छाया में रहकर लोग किसी न किसी तरह रचनात्मक होना चाहते हैं। मशीनी युग ने ऐसी उदासी रची है कि रचनात्मक होना अब एक अनिवार्यता की तरह लगने लगा है। एक चिड़िया को चहचहाते और घोंसला बुनते हुए आज से पहले कितनी ही पीढ़ियों ने देखा था। मगर आज इसे देखने के लिए बाकायदा एक योजना बनाई जाती है। समूह में लोग एकत्रित होते हैं और इन सब अनोखी रचनात्मक क्रियाओं को देखकर उसका रसास्वादन कर आनंद से भर जाते हैं। इन दिनों जीवन शैली के कारण अचानक पैदा होने वाली उदासी, घबराहट, बेचैनी, अवसाद, नकारात्मक भावनाओं आदि को मिटाने में यह उपाय बहुत कारगर हो रहा है। आजकल ऐसी खबरों से भी हम हर रोज रूबरू हो रहे हैं कि कुछ लोग गांव जाने लगे हैं। कुछ दिन वहां माटी और घास के बीच अपना भोजन खुद पकाते हैं। कुछ नया सीखते हैं और खुशी से फिर तरोताजा होकर और ऊर्जा से भर कर लौटते हैं। कुछ लोगों ने विश्व भर में ऐसे शानदार समूह बना लिए हैं जो अपने हर अवकाश और बचत का उपयोग केवल पंछियों से संबंधित कामों में लगा रहे हैं। चाहे वह परिंदे खुद तैयार कर वितरित करना हो, चाहे पंछियों के लिए झाड़ीदार वनस्पति उगाने और विकसित करने का काम हो या फिर मोबाइल टावर के विरोध में जन जागृति हो। क्लब में जाकर वक्त गुजारना, पार्टी, शोर-शराबा, कृत्रिम चकाचौंध, जलसे आदि से वे लोग मुंह मोड़ चुके हैं। उनके मुताबिक, इससे

कुदरती प्रेम उप हो रहा था। आखिरकार बेचैनी ही बढ़ रही थी। मगर अब उनका मानना है कि उन सबको कुदरती सृजनात्मकता के लिए ही समर्पित रहना है। कहा जा सकता है कि उन लोगों ने अपने खोखले वजूद को टटोलने के बाद खुद को निखारना और जीना सीख लिया है। ऐसा जुनून और चाव इसलिए पैदा हो रहा है कि तकनीक की भरमार ने इस प्राकृतिक सृजनात्मकता के लिए लगाव पैदा कर दिया है। इसीलिए आज मशीनीपन से दूर होने के लिए लोग सृजनात्मक होने की सतत कोशिश में लगे हुए हैं। कई लोग बगीचे में जाकर घंटों बागबान को देखते रहते हैं कि वह कैसे बीज रोपता है, फूलों को प्यार देता है, यह देखना-समझना और उस पर विस्मित होना प्रकृति में गहरे उतरना है। इस दौरान तितली, भंवरे, मधुमक्खी, गिलहरियां और उनका व्यवहार समझ में आने लगता है। ऐसा सुख उनको भरपूर सुख-सुविधा, मोटरगाड़ी, वातानुकूलन मशीन, भारी भरकम गैजेट भी नहीं दे पा रहे हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि रचनात्मक होना हमारे भीतर हमेशा ही रहता है, बस उसके सामने का दरवाजा जो होता है, वह बंद रहता है। इसलिए उसके मुखर होने की संभावना कम होती जाती है। जो मनुष्य यह समझ जाता है कि भौतिक सुख सुविधाओं में खोकर उसने सुख की असली चाबी कहीं और ही सौंप दी थी, तब यही स्थिति बिल्कुल बदल जाती है। हर सांस के पास है सृजनात्मकता का अथाह सूत्र। मगर मशीनों के जाल में फंसकर पता ही नहीं चलता कि सांस ने क्या संकेत दिया है। कौन-सा इशारा किया है। बेकार और फिजूल की बाहरी चीजों में फंसा हुआ आदमी मन की आंखें और मन के कान खोल नहीं पाता है। आसमान के गहरे काले बादल तक झकझोर कर बता रहे होते हैं कि समंदर ने एकाग्र होकर यह अमृत हमको दिया है, जिसे वसुंधरा को सौंपने के लिए हम मौसम के साथ मेल बना रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प की विजय और भारत

अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक खास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आखिरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता।

आज का राशिफल

मेष [illegible] शुभांक 3,8,9

वृषभ [illegible] शुभांक 3,6,7

मिथुन [illegible] शुभांक 1,2,5

कर्क [illegible] शुभांक 1,2,9

सिंह [illegible] शुभांक 5,6,0

कन्या [illegible]

तुला [illegible] शुभांक 4,5,6

वृश्चिक [illegible] शुभांक 3,6,9

धनु [illegible] शुभांक 6,7,8

मकर [illegible]

कुंभ [illegible] शुभांक 1,6,7

मीन [illegible] शुभांक 3,5,7

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5425

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5424

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 5425

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1947 को इन्होंने भारत के उपप्रधानमंत्री का कार्यभार संभाला था (8)
7. महिला ईसाई पादरी (2)
8. मर्दो की नली, कंठ, आहार नली (3)
9. हिंदी साहित्य का एक अलंकार जिसमें एक ही शब्द दो या अधिक बार आता है और इसका प्रत्येक बार भिन्न अर्थ होता है (3)
11. कर्नाटक का यह जिला स्वर्ण खानों के लिए प्रसिद्ध है (3)
12. जूते का निचला हिस्सा (2)
13. [illegible] (2)
15. जो जल्दी न मिल सके, दुर्लभ (3)
17. [illegible] (4)
20. एक बार सांस लेने का समय, [illegible] (2)
22. राजी करना, प्रसन्न करना, समझाना-बुझाना (3)
23. यह भारत की पहली [illegible] फिल्म थी (1921)(3)
26. कुटिल दृष्टि के प्रभाव में आना, भेंट उपहार, सौगात (4)

ऊपर से नीचे

1. उत्तराधिकारी पत्र, बिल (6)
2. अपुष्ट समाचार, उड़ती हुई खबर (3)
3. प्रतीति, अहसास, बोध (2)
4. अग्र, अग्रिम, अव्वल नंबर (3)
5. दर्जी, चित्रकार, सूचिक (3)
6. भाग्य को अंग्रेजी में यह कहते हैं (2)
10. यह मलेशिया देश का पुराना नाम है (3)
11. प्रथा, [illegible] (3)
14. परिवर्तन करना, मुकरना, उल्लंघन करना (4)
18. मर्मज्ञ (4)
19. विविध, अनेक प्रकार के, [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
23. अद्रि (2)
24. हाव-भाव, [illegible], प्रतिष्ठा, गौरव (2)

वर्ग पहेली 5424 का हल

श्री	ल	म	ल	ओ	र	[illegible]	[illegible]
लि	ल	क		ना		ज	
	क	के	ल		बे	गा	ना
आ		ल	ह	आ		री	वा
ला	भ		र	ज	र		कि
प	र	या	या		वि	ला	क
	पा		र		या	म	
र	ई	स		भू			

देश, किसान व देशवासियों के स्वास्थ्य के हित में जीएम फसलों को भारत में प्रवेश पर लगाये रोक

भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत जिला मंदसौर ने सांसद गुप्ता को दिया ज्ञापन

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत जिला मंदसौर द्वारा राष्ट्रव्यापी आव्हान के तहत 22 नवम्बर को सांसद श्री सुधीर गुप्ता को ज्ञापन देकर देश हित, किसान हित, पर्यावरण हित, जैव विविधता हित व देशवासियों के स्वास्थ्य के हित में जीन फसलों भारत में प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की।

भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत के जिलाध्यक्ष बद्रीलाल पाटीदार देहरी व जिला मंत्री राधेश्याम धाकड़ फतेहगढ़ ने बताया कि 23 जुलाई 2024 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 2 माननीय न्यायाधीशों की बेच द्वारा जी.एम. सरसों के बारे में अपने निर्णय में केन्द्र सरकार को संभवत आगामी 4 माह में सभी संपर्कित व्यक्तियों (कृषि, कृषि वैज्ञानिक, राज्य सरकारों, किसान संगठनों, उपभोक्ता संगठन आदि) से सलाह करते हुए जी.एम. फसलों के उपर एक राष्ट्र नीति बनाने की सलाह के बारे में हमने आपको आग्रह किया था कि कि यह सलाह की प्रक्रिया जल्द से जल्द की जाये। यह एक गंभीर मामला है। बी.टी. कपास आते हुए करीब 22 वर्ष हो गये, फिर भी जी.एम. के बारे में कोई सहमति नहीं बनी। ऐसी फसलों को हम शाकाहारी बोले अथवा मांसाहारी इसके बारे में भी कोई निर्णय नहीं हुआ है। इसका प्रसंस्कृत खाद्य को हम मांसाहारी चिन्हित करें या शाकाहारी इसके उपर निर्णय लेना अभी बाकी है। ऐसी फसल अलग-अलग खेत में किया जाना, इसका खरीददारी के लिए अलग व्यवस्था करना, इसके प्रसंस्करण के लिए अलग फैक्ट्रियां लगाना और लोग खायें या न खायें इसके लिए भी सोचना अभी बाकी है।इसके अलावा ये सारी फसले अपरिवर्तनीय, जैव विविधता को नष्टकरने वाले, कुपोषण को बढ़ाने वाले, पर्यावरण को नष्टकरने वाले, खाद्य को जहरीला बनाने वाले, इसकी खेती में उपयोग रासायनिक केंसर बढ़ाने वाले है। इसलिए सभी हितधारकों के साथ बात करना आवश्यक है एवं वार्ता करके राष्ट्रीय नीति बनाना आवश्यक है।

कई फसलों में जीव जन्तुओं के जीन को डालकर नया जीव तैयार का खेल चल रहा है। अभी तक यह तय नहीं है कि ऐसी फसलों को फसल कहें या जीव, खाद्यान्न फसलों में यदि जीव जंतुओं का जीन डाला जाता है तो उसको शाकाहारी बोलेंगे या मांसाहारी यह भी तय नहीं है।

जैसे की आप अवगत है कि किसी भी जी.एम. फसल में अभी तक अधिक उपजाऊ वाले जीन का उपयोग नहीं हुआ है और झूठामूठा इसको अधिक उपजाऊ वाला बोलना एक वैज्ञानिक धोखा जैसा है। फिर भी इसके पक्ष में आवाज उठाना, भीडतंत्र तैयार करना, वैज्ञानिकों को इसके बारे में चर्चा करने के उपर प्रतिबंध लगाना एक बडे षडयंत्र की ओर इसारा कर रहा है। सभी जानते है कि आज तक किसी भी जी.एम. फसल में अधिक उपजाऊ वाले जींस का उपयोग नहीं हुआ है। तब भी झूठमूठ इसको अधिक उपजाऊ बोलना एक वैज्ञानिक धोखा जैसा है। मल्टीनेशनल कंपनियां एवं उनके साथ भारत में उनके स्लीपर सेल के समान कार्य करने वाले एवं भारत को कमजोर करने की सोच रखने वाले देश, ये सभी मिलकर ऐसा दुश्चक्र चला रहे है, जिससे विश्व में भारत की कृषि क्षेत्र में जो थाथी है उस पर आघात कर सके और जी.एम. बीजों के माध्यम से ये भारत की बीज स्वायत्तता को नष्टकर सके।

भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत ने कहा कि अमेरिका में जीएम उत्पादों का 80 प्रतिशत जानवरों को खिलाते है। 20 प्रतिशत इथेनॉल बनाते है। हमारे देश में जीएम खाद्यान की अनुमति नहीं है व जीएम खाद्यान्न आयात के उपर प्रतिबंध लगा हुआ है तब भी ये लोग गैर कानूनी कार्य के साथ खडे होकर हमें आयाततीत जीएम खाद्य तेल खा रहे है ऐसी गैर कानूनी बयानबाजी करते रहते है। कपास की सभी जैव विविधता बी.टी. कपास खा चुका है। सांसद श्री गुप्ता से मांग की कि आप इस मामले को संसद में उठाकर जी.एम. फसलों को भारत में प्रवेश पर रोक लगाने हेतु प्रभारी कदम उठावे।

इस अवसर जिला अध्यक्ष बद्रीलाल पाटीदार देहरी, गरोठ जिला अध्यक्ष कृपालसिंह, जिला मंत्री राधेश्याम ठन्ना फतेहगढ़, जिला कार्यालय मंत्री प्रीतिपालसिंह बेहपुर, जिला सदस्य मदनसिंह चांदाखेड़ी, दलौदा तहसील अध्यक्ष देवराम पाटीदार एलची, मंदसौर तहसील अध्यक्ष रामकिशन धनगर धमनार, मल्हारगढ़ तहसील अध्यक्ष अनिल पाटीदार लुनाहेड़ा, दलौदा तहसील उपाध्यक्ष कन्हैयालाल कुमावत सेमलिया हीरा, दलौदा तहसील सदस्य रणछोड़लाल पाटीदार देहरी सहित बड़ी संख्या में किसान बन्धु उपस्थित थे।

मंदसौर के विकास के लिए संघर्षरत और मुखर हैं पत्रकार - सांसद गुप्ता

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। पत्रकारिता धर्म को मंदसौर के पत्रकार बहुत अच्छे से निभा रहे हैं, और हम सब इसके साक्षी है। मंदसौर व पूरा संसदीय क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें यहां की पत्रकारिता का बहुत बड़ा योगदान है। यह बात वरिष्ठ सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कही। वे युवा प्रेस क्लब के दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री नरेंद्र नाहटा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती श्रीमती रमादेवी गुर्जर, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपालसिंह सिसोदिया, एसपी श्री अभिषेक आनंद, वरिष्ठपत्रकार श्री सुरेन्द्र लोढा, जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री ईश्वरसिंह चौहान, जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री पुष्पराजसिंह राणा भी मंचासीन रहे और आतिथ्य प्रदान किया। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया।

सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि मंदसौर के पत्रकारों ने समय-समय पर प्राचीन दशपुर के इतिहास रूपी धरोहर को जनता के सामने लाने का काम किया है। मंदसौर का मीडिया हमेशा क्षेत्र के विकास के लिए लड़ा है और अभी भी लड़ता है। पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर के युवा पत्रकार उर्जा से लबरेज़ हैं। वरिष्ठों के मार्गदर्शन में बेहतर कार्य कर रहे हैं। यहां से राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की खबरें हमारे पत्रकार प्रकाशित कर रहे हैं। दीपावली का पर्व सभी के जीवन में बहुत सारी खुशियां लेकर आए। इस तरह के आयोजन हमें एक-दूसरे से मिलाते हैं, जिससे आसपास में प्रेम अपनत्व बढ़ता है।

इस अवसर पर क्लब के संरक्षक संरक्षक श्री ईश्वर रामचंदानी, श्री आशुतोष नवाल, वरिष्ठ पत्रकार सर्व श्री महावीर अग्रवाल, संजय पोरवाल, नरेन्द्र अग्रवाल, ब्रजेश जोशी, नेमीचंद राठौर (दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष), अशोक त्रिपाठी, प्रकाश सिसोदिया, अजय लोढा, संपादक संघ अध्यक्ष अनिल जोशी, श्रमजीवी पत्रकार संघ के संभाग प्रमुख प्रीतीपालसिंह राणा, राहुल सोनी, राजेश कुलश्रेष्ठसहित युवा प्रेस क्लब के आकाश चौहान, लोकेश पालीवाल, प्रीतेश राव, अभिषेक विद्यार्थी, ललित एम. पटेल, दीपक शर्मा, सचिन जैन, दिग्विजयसिंह, विजेन्द्र फांफरिया, सतीश दरिंग, चरण राजपाल, राजपालसिंह परिहार, ललित भाटी, सलमान कुरैशी, प्रीत शर्मा, दिलराज शर्मा, रवि पोरवाल, सईम पठान, रमेश चौहान, गौरव जोशी, जितेश जैन, शाहिद चौधरी, राजेश पाठक, संजय भाटी, ललितशंकर धाकड़, पवन उपाध्याय, कमलेश गढ़िया, नीलेश त्रिवेदी, नरेन्द्र ब्रिजवानी, संदीप कुमावत, जगदीश वसुनिया, शाहिद पठान, चेतन्यसिंह राजपूत, निलेश भारद्वाज, जितेश फरक्या, ललित परमार, अजय बाड़ोलिया, ओम बारोदिया, जावेद खान, शंभु मेक, राजकुमार धनगर, मंगलेश सुर्यवंशी, शुभम चौहान, घनश्याम पाटीदार, आशीष भारद्वाज, अभिषेक अरोरा, पंकज मोदी, कमलेश मोदी, रूपेश सोलंकी, दुर्गेश शर्मा, दशरथ गारसिया, विवेक शर्मा, वरिष्ठपत्रकार सुरेश भावसार, ओंकारसिंह, धर्मेंद्र रानेरा, शैलेंद्र सिसोदिया, पुष्कर दहिया, राजनायण लाड , कपिल शर्मा, गोविंद पाटीदार, शोंकी कक्नानी, देवेंद्र यादव, मांगीलाल माली, मोहसीन भाई, मनोज दसलानिया आदि पत्रकारगण उपस्थित थे। पीजी कॉलेज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेश चंदवानी, रेडक्रास चेयरमैन प्रीतेश चावला, नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला, सैफ़ी बैंक अध्यक्ष विनय दुबेला, मण्डल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, भाजपा नेता मुकेश काला, पुखराज दशौरा, युवा कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, पूर्व सभापति विनोद डगवार, पूर्व पार्षद विजय पोपट, समाजसेवी राजाराम तंवर, अजीजउल्ला ख़ान, अनूप माहेश्वरी, राजेश जैन, प्रदीप जैन आदि गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार ललित एम पटेल ने किया। आभार क्लब उपाध्यक्ष विपिन चौहान ने माना।

आयुष चिकित्साा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जमुनियाकला में आज

नीमच 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्याालय के समीपस्थ आयुष ग्राम जमुनियाकला में आज 23 नवम्बर 2024 को प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयुष चिकित्सा स्वाथस्य्आय शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा0 अधिकारी डॉ. पंकज पाटीदार एवं डॉ. विमला पाटीदार सहित अन्यग आयुर्वेद चिकित्साक अधिकारी आयुर्वेद पैरामेडिकल स्टॉौफ द्वारा स्वास्थ्य शिविर में सेवाएं दी जाएगी। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशीष बोराना ने ग्रामीणों से इस शिविर का लाभ उठाने का आगृह किया है।

बाल श्मशान में उग आई गाजर घास, भूमि दाग में हो रही परेशानी

सुनील बंसल ने कलेक्टर व नपाध्यक्ष को कराया समस्या की ओर ध्यानाकर्षण

मन्दसौर22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। बड़ी पुल के नजदीक स्थित मुक्तिधाम पर बाल श्मशान बना हुआ है जहां पर छोटे बच्चों के निधन पर उन्हें दफनाया जाता है। लेकिन वर्तमान में इस बाल श्मशान पर 4 से 5 फीट उँची गाजर घास उगी हुई है, यहां गंदगी भी पसरी हुई है। जिससे दिवंगत बच्चे का भूमि दाग करने के लिये आने वाले परिवारजनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस गाजर घास को हटाने व गंदगी हटाने के लिये नगरपालिका के जिम्मेदारों को कई बार सूचित किया गया लेकिन अभी तक कोई प्रयास उनके द्वारा नहीं किये गये है।

उक्त बात पार्षद एवं समाजसेवी सुनील बंसल ने बताया कि विगत एक माह से लगातार, नगरपालिका सीएमओ, सभापति, स्वास्थ्य अधिकारी सभी को कई बार अवगत करा दिया गया है कि यहां 5-6 फीट की गाजर घास उग चुकी है। यहां सुअर व कुत्तों का भी काफी आतंक है। अंधेरे में ये जानवर दिखाई भी नहीं देते है और भूमि दाग करने आने वालों को इनसे परेशानी होती है। श्री बंसल ने कलेक्टर , नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व सभी जिम्मेदारों से आग्रह किया है कि बाल श्मशान की सूध लेकर यहां की गाजर घास को उखाड़ा जाये तथा समय-समय पर यहां पर सफाई की जाये जिससे लोगों को हो रही परेशानी से निजात मिल सके।

68 वीं राज्य स्तरीय शालेय बेसबॉल प्रतियोगिता का प्रथम दिवस आयोजन पूर्ण

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। 68 वीं राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता (17 वर्ष) बालक/बालिका के खेल का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. के खेल मैदान में प्रथम दिन का आयोजित हुआ। प्रतिभागी खिलाड़ियों से परिचय किया गया। प्रथम दिवस में बालक वर्ग मैच में इंदौर संभाग वर्सेस सागर संभाग में 3–0 से इंदौर विजेता रहे। भोपाल संभाग वर्सेस ग्वालियर संभाग में 10–1 से भोपाल विजेता रहे, उज्जैन वर्सेस जनजाति कार्य विभाग 10–2 से उज्जैन विजेता रहे, रीवा वर्सेस जबलपुर 6–5 से रीवा विजेता रहे, सागर वर्सेस नर्मदापुरम संभाग में 7–0 से सागर संभाग विजेता रहे तथा बालिका वर्ग में रीवा वर्सेस जबलपुर संभाग में 14–5 से रीवा संभाग विजेता रहे, सागर वर्सेस भोपाल संभाग में 11–2 से सागर संभाग विजेता रहे, उज्जैन संभाग वर्सेस जनजाति कार्य विभाग 6–0 से उज्जैन विजेता रहे, इंदौर संभाग वर्सेस ग्वालियर संभाग 7–6 से इंदौर संभाग विजेता रहे, जनजाति वर्सेस नर्मदा पुरम में 10–2 से जनजाति विभाग विजेता रहे।

परख हेतु चयनित शालाओं की उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)मंदसौर में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 हेतु चयनित 98 शालाओं के संस्था प्रधानों की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग विशेष रूप सें उपस्थित रही । परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 हेतु उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षा विभाग के समस्त अमले को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2024 हेतु आयोजित कार्यशाला में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा बताया गया कि शिक्षा एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है । जिसमे एग्जाम क्लियर करना एवं बच्चों द्वारा समझ से उत्तर देना एवं कम समय में अधिक अंक कैसे प्राप्त किये जाएँ, बच्चों के स्तर में कैसे सुधार करे आदि पर अवधारणात्मक समझ विकसित करना है। साथ ही कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने यह भी निर्देश प्रदान किये कि जिन शालाओं का चयन परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण हेतु नहीं हुआ है , ऐसी शालाएं भी मॉक टेस्ट के आधार पर विश्लेषण कर बच्चों के अकादमिक स्तर को बढाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहे। जिला एनएएस 2024 में बेहतर सफलता कैसे हासिल करें, इस हेतु समक्ष उपस्थित संस्था प्रधानों का मार्ग दर्शन कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

डाइट नेस प्रभारी श्री आर.डी. जोशी द्वारा एनएएस सर्वेक्षण विद्यालय में कैसे होगा उस पर पीपीटी द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। प्राचार्य डाइट श्री दिलीप सिंह राठौर द्वारा सर्वेक्षण में उपस्थित सभी 5 विकासखंडों के बीईओ, बीआरसीसी एवं चयनित स्कूलों के प्राचार्यों को परख सर्वे सफल कैसे बनाये एवं बच्चों को कैसे मोटिवेट करें इस पर मार्गदर्शन दिया गया। डीपीसी श्री जे.डी. शुक्ल द्वारा चयनित स्कूलों की सूची एवं ओएमआर शीट पर चर्चा की गई।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेन्द्र डाबी द्वारा देश में प्रदेश की स्थिति एवं प्रदेश के जिले की 2021 के सर्वे में स्थिति की तुलना की। जिला राज्य में प्रथम पाँच में आए इसके लिए चर्चा करते हुए क्या आवश्यक कदम उठाए जाए व उसकी तैयारी कैसे करे, टिप्स दिये गये । ओआईसी श्री राजेश पाल साहब द्वारा सभी उपस्थित प्राचार्यों के मनोबल बढाते हुए प्रश्न की प्रकृति पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2024 जिले में 04 दिसंबर 2024 को डाइट के फील्ड इन्वेस्टिगेटर के माध्यम से एवं ऑब्जर्वर के मार्गदर्शन में संपन्न कराया जाना है।

उक्त कार्यालय में जिले के समस्त बीईओ, बीआरसीसी डाइट अकादमिक सदस्य एवं डीपीसी ऑफिस के समस्त एपीसी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद सेठिया ने किया।

मंदसौर की हॉकी खिलाड़ी कृषा परिहार का इंडिया कैंप में चयन

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। 21 तारीख को हॉकी इंडिया द्वारा जूनियर इंडिया कैंप के लिए खिलाड़ियों का ऐलान किया गया

उसमें हॉकी मंदसौर की खिलाड़ी कृषा परिहार का भी चयन किया गया। यह जानकारी हॉकी मंदसौर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया व सचिव अविनाश उपाध्याय ने दी। उन्होंने बताया कि कृषा का पिछले कई समय से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन जबरदस्त रहा था। रांची में रही जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगी किताब में मध्य प्रदेश फाइनल खेली थी और फाइनल तक पहुंचाने में कृषा का भी महत्वपूर्ण योगदान था कृषा की हॉकी की शुरुआत सेंट थॉमस विद्यालय से कक्षा 6टी से हुई यहीं से राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शिरकत की जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा ने बताया कि उसके बाद कृषा ने मंदसौर मैं मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर में प्रशिक्षण लिया। इसके बाद यहीं से मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित भारत की नंबर एक महिला अकेडमी ग्वालियर में चयन हुआ। यहां परमजीत सिंह बराड़ जैसे प्रशिक्षकों का सानिध्य मिला यहां से कृषा ने भारत मैं होने वाली तमाम प्रतियोगिताओं में शिरकत की कृषा के पिता धर्मेंद्र परिहार कुचड़ोद ग्राम पंचायत में सचिव के पद पर कार्यरत है। कृषा को यहां तक पहुंचने में उनका बहुत-बहुत समर्पण रहा कृषा की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज़ाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड़, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की उक्त जानकारी हॉकी मंदसौर के जनसंपर्क अधिकारी जितेंद्र कनौजिया ने दी।

श्री साई पब्लिक स्कूल दलौदा के छात्र-छात्राओं का राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में चयन

दलौदा 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। श्री सांई पब्लिक स्कूल, दलौदा में अध्यनरत बालिका जूनियर वर्ग में कक्षा 9वीं की छात्रा अर्चना पाटीदार पिता नागेश्वर पाटीदार गांव राजाखेड़ी, कक्षा 8वीं की छात्रा दीपिका धाकड पिता हरिनारायण धाकड गांव बनी, बालक जूनियर वर्ग में कक्षा 8वीं का छात्र दक्ष पाटीदार पिता श्यामलाल पाटीदार गांव धमनार का राज्य स्तरीय जूनियर बालक/बालिका बेसबॉल प्रतियोगिता मे चयन हुआ है।

खिलाड़ियों के चयन होने पर संस्था संचालक मोहसिन अख्तर, सहायक संस्था संचालक नबील अख्तर एवं खेल प्रशिक्षक दिनेश धाकड़, अभिषेक सेठिया, सपना धाकड, आरती चंद्रावत, जयेश माली एवं समस्त विद्यालय परिवार ने चयनित खिलाड़ी एवं उनके परिवारजन को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनके उज्ञवल भविष्य की कामना की।

कृषक निजी संस्थाओं से नगद में उर्वरक प्राप्त करें

मन्दसौर 22 नवंबर 2024/ उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा बताया गया कि वर्तमान में जिले में लगभग 85 प्रतिशत क्षेत्रफल बुवाई हो चुकी है। जिन कृषकों को उर्वरक की आवश्यकता है वे सहकारी समितियों, डिफॉल्टर कृषक नगद विक्रय केंद्रो एवं निजी संस्थाओं, मार्केटिंग सोसायटी सीतामऊ/ सुवासरा एवं एम.पी. एग्रो, मंदसौर, दलौदा से कृषक नगद में उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। जिले में सहकारी समितियों के पास 2484 मे. टन यूरिया, 1019 मे. टन डीएपी, 1472 मे. टन एन.पी.के., 1934 मे. टन एस.एस.पी. तथा 397 मे. टन एम.ओ.पी. उर्वरक उपलब्ध है।

राजस्व महाअभियान के तहत गांवों में विशेष शिविर आयोजित

खसरा ई-केवायसी एवं फार्म रजिस्ट्री का कार्य किया गया

नीमच 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे राजस्वन महाअभियान के तहत गांव-गांव में विशेष राजस्वर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में राजस्व अमले द्वारा डोर-टू-डोर खसरा, ई-केवायसी का कार्य भी किया जा रहा है। शुक्रवार को राजस्व अमले द्वारा ग्राम खेतपालिया एवं अचलपुरा का भ्रमण कर, खसरा ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया गया।

एस.डी.एम. मनासा श्री पवन बारिया ने ग्राम महागढ में राजस्वट महाअभिकयान के तहत आयोजित शिविर का निरीक्षण कर जायजा लिया और संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यतक निर्देश दिये। मनासा क्षेत्र के बालागंज, फोफलिया, राजपुरा में भी शुक्रवार को विशेष राजस्व शिविर आयोजित किये गये।

एस.डी.एम. डॉ. ममता खेड़े के नेतृत्वो में ग्राम चीताखेड़ा में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किया गया। ग्रामीणों को राजस्व महाअभियान की जानकारी देकर, खसरा, ई-केवायसी, फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित कार्य राजस्व् अमले द्वारा शिविर में किया गया। साथ ही बघाना में भी राजस्वर शिविर आयोजित कर राजस्वस अमले द्वारा खसरा, ई केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया गया।

भारत में कुष्ठरोगियों की सेवा के लिए स्व. श्री सदाशिव गोविंदराव कात्रे जी को हमेशा याद किया जायेगा

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारत में कुष्ठरोगियों की सेवा के लिए बहुत बडी प्रेरणा बने कात्रेजी को जन्म जंयती पर हार्दिक नमन । भारतीय कुष्ठ निवारक संघ के संस्थापक कात्रेजी कुष्ठरोगियों की सेवा के लिए वरदान बने। स्व श्री सदाशिव गोविन्द कात्रे का जन्म देवोत्थान एकादशी (23 नवम्बर, 1901) को जिला गुना (मध्यप्रदेश) में हुआ था. धार्मिक परिवार होने के कारण उनके मन पर अच्छे संस्कार पड़े।

कुष्ठ रोग और उसके रोगियों को समाज में घृणा की नजर से देखा जाता है। इसका लाभ उठाकर ईसाई मिशनरियां उनके बीच सेवा का काम करती हैं और फिर चुपचाप उनका धर्मांतरण कर उन्हें ईसाई भी बना लेती हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने काम के विस्तार के साथ-साथ सेवा के अनेक क्षेत्रों में भी कार्य को बहुत आगे बढाया हैं कुष्ठरोगियों की सेवा के लिए भारतीय कुष्ठ निवारक संघ संगठन बनाया गया जो छत्तीसगढ राज्य के चांपा नगर में है।

स्व श्री सदाशिव गोविन्द कात्रे जी आप स्वयं एक कुष्ठरोगी थे। संघ के स्वयंसेवक से आगे चलकर संघ के प्रचारक बने आपको सेवा के क्षेत्र मे अनेकों सम्मानो के साथ भारत सरकार ने पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया आपका जिवन कुष्ठरोगियों के लिए वर्दान बनगया था

प्रतिदिन आप के पास लगभग 400 कुष्ठरोगी दवा तथा पट्टी आदि के लिए आश्रम में आते हैं। कात्रेजी स्वयं उनकी चिकित्सा पट्टी आदि करते थे 25,000 से भी अधिक रोगियों को आपने लाभान्वित किया था एलोपैथी के साथ ही आयुर्वेद तथा होम्योपैथिक चिकित्सा की व्यवस्था भी आपके आश्रम में की जाती है। कात्रेजी के विचार थे कि कुष्ठ रोगियों को समाज की दया की बजाय प्रेम और सम्मान की आवश्यकता है। अत: आपने ऐसे कई प्रकल्प चलाए, जिससे कुष्ठ रोगियों का स्वाभिमान जाग्रत हुआ स्वयं आत्मनिर्भरता से जीवन जिये आश्रम में गोपाल कृषि लघु उद्योग आदि कई कार्य कुष्ठ रोगियों के लिए आज भी संचालित है।

बहुत से लोग इन रोगियों की सेवा करते हुए उनसे दूरी बनाकर रखते थे पर बापटजी कुष्ठ रोगियों के बीच रहकर उनके हाथ से बना भोजन ही करते थे। एक बार जर्मनी से आये कुछ लोगों ने दस लाख रु. देने चाहे; पर बापटजी ने नहीं लिये। वे सरकार या विदेशी सहायता की बजाय आम जनता के सहयोग पर अधिक विश्वास करते थे। हजारों कुष्ठरोगियों के जीवन में प्रकाश फैलाने वाले बापटजी का निधन 17 अगस्त, 2019 को बिलासपुर के एक अस्पताल में हुआ आपकी इच्छानुसार आपकी देह को चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के उपयोग के लिए छत्तीसगढ इंस्टीट्यूट ऑफ मैडिकल साइंस कालेज को दिया गया था। सक्षम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संगठन जो सेवा के क्षेत्र में कार्य करता है प्रतिवर्ष आपकी जयंती पर कुष्ठ रोगियों के लिए सेवा व जागरूकता के लिए कार्य करता है।

(रविंद्र पाण्डेय- सक्षम मालवा प्रांत सचिव)

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	87	2181	2381
उडद	60	5699	6600
सोयाबीन	4792	3710	4380
गैहु	2340	2650	3200
चना	202	5770	6481
मसुर	75	5710	6151
धनिया	-	-	-
लहसुन	8700	15000	31000
मैथी	-	-	-
मुंगफली	-	-	-
अलसी	1550	5630	6055
सरसो	347	5450	5776
तारामीरा	-	-	-
इसबगोल	76	10801	12700
प्याज	12800	800	3600
कलोंजी	12	13800	18099
तुलसी बीज	01	17900	17900
डॉलर	30	8001	12000
तिल्ली	41	7800	12525
जौ	15	2100	2460
मटरसुखी	01	5803	5803
असालीया	17	9001	11300
मूंग	-	-	-

सिंहस्थ के पहले उज्जैन में बनकर तैयार होगा मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में 592.30 करोड़ की मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय का किया भूमि पूजन

नीमच / मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के उज्जैन को मेडिसिटी एवं चिकित्सा महाविद्यालय की सौगात दी है। इसका गुरूवार को भूमि-पूजन किया गया। सिंहस्थ के पहले यह महत्वाकांक्षी प्राजेक्ट तैयार हो जायेगा। इस नवीन व्यवस्था से महाकाल की निगरानी में अब हर मर्ज का ईलाज होगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उज्ज्ैन की मेडिसिटी दुनियाभर में जानी जायेगी। उज्ज्ैन में हाईटेक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ मेडिकल डिवाईस पार्क भी विकसित होगा। एक ही परिसर में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हाईराईज बिल्डिंग बनाई जाएगी तथा एक-एक इंच भूमि का उपयोग किया जायेगा। परिसर में ही चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ आदि के लिए आवासीय व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश गठन के बाद वर्ष 2003-04 तक प्रदेश में कुल 05 मेडिकल कॉलेज थे। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें 17 सरकारी हैं और 13 निजी क्षेत्र के हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज सहकार के साथ व्यवस्थाएं बनाएंगे। अगले वर्ष 12 मेडिकल कॉलेज और तैयार हो रहे हैं। जिन चिकित्सालयों की क्षमता अधिक है वहां चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था करने की भी योजना है। प्रदेश में पहले चिकित्सा शिक्षा एवं लोक स्वास्थ्य अलग-अलग विभाग होते थे, जिन्हें अब एक कर दिया गया है। सरकार एक-एक पैसे का सदुपयोग कर आम जनता को सुविधाएं दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को उज्ज्ैन में 592.30 करोड़ रूपये लागत से निर्मित होने वाली मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भूमि-पूजन कर संबोधित कर रहे थे। भूमि-पूजन के दौरान वेदपाठी बाह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सिंहस्थ-2028 के पहले प्रारंभ होगा। उज्ज्ैन में प्रायवेट सेक्टर के साथ मिलकर मेडिकल टूरिज्म की स्थापना भी की जाएगी। उज्ज्ैन में प्रदेश ही नहीं बल्कि विदेशों से आने वाले सभी मरीजों का उपचार किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आयुष्मान भारत निरामय योजना शुरू करने के बाद राज्य सरकार ने भी तीन महीने में ही गंभीर मरीजों को एयर लिफ्ट कर बड़े चिकित्सालयों में उपचार कराने की सुविधा शुरू की है। जिन स्थानों पर एयरपोर्ट या हवाई पट्टी नहीं है वहां हेलीकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर मरीजों को उपचार की सुविधा दी जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में 5000 विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जा रही है, जो आने वाले समय में 10 हजार हो जायेगी। साथ ही प्रदेश में आयुर्वेद के 5 मेडिकल कॉलेज शुरू कर रहे हैं। उज्ज्ैन के आयुर्वेदिक धनवंतरी महा विद्यालय को सर्वसुविधायुक्त एम्स की तरह बनाया जायेगा, इसकी प्रक्रिया चल रही है। साथ ही उज्जैन में हौम्योपैथी महा विद्यालय भी शुरू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को रोजगार मूलक पैरामेडिकल एवं नर्सिंग की शिक्षा देने के निर्देश दिये गये हैं, इससे प्रदेश में रोजगार उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय को पैरामेडिकल एवं नर्सिंग परीक्षाएं भी आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी चिकित्सालयों में शव वाहन की व्यवस्था भी की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सिकल सेल-एनीमिया के उन्मूलन के पर्याप्त इंतजाम किये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्ज्ैन कलेक्टर कार्यालय का नवीन भवन माधव नगर थाने के पास की जमीन पर निर्मित कराने का भी निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम को उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल एवं स्थानीय विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान धनवंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कन्या-पूजन कर किया। मालवी पगड़ी पहनकर कार्यक्रम में पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जन-समूह का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किये, जिसमें ग्राम पंचायत ब्रजराज खेड़ी के श्री दीपक शर्मा को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि, उज्ज्ैन नगर पालिक निगम की बेबी बाई को आयुष्मान भारत निरामय योजना की 5 लाख रूपये, ग्राम पंचायत गंगेड़ी को पिंक टॉयलेट निर्माण के लिए 4.84 लाख रूपये का चेक प्रदान किया।

प्रदेश की पहली मेडिसिटी

उज्ज्ैन में निर्मित होने वाली प्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं मेडिकल कॉलेज 14.97 एकड़ में 592.3 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा। इसमें 6 हाईराइज टॉवर होंगे। टीचिंग हॉस्पिटल का भवन 9 मंजिला होगा, जिसमें बेसमेंट भी शामिल है। मेडिकल कॉलेज का भवन 8 मंजिला होगा इसमें भी बेसमेंट बनाया जाएगा। नर्सेस होस्टल, आरडीएच ब्लॉक व यूजी इंटर्न गर्ल्स होस्टल के भवन 14 मंजिला होंगे। वहीं यूजी इंटर्न बॉइस होस्टल का भवन 11 मंजिला होगा। मेडिसिटी चिकित्सा महाविद्यालय सम्पूर्ण रूप से दक्ष होगा इसमें रिसर्च एंड डवलपमेंट की सभी सुविधाएँ होंगी। इस महाविद्यालय में 550 बेड की क्षमता का अस्पताल होगा तथा इसमें 150 मेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय में 380 क्षमता का नर्सिंग होस्टल, यूजी इन्टर्न गर्ल्स व बोइस होस्टल, सर्विस ब्लॉक, लाईब्रेरी, पार्किंग, जिमनेशियम, फुटओवर ब्रीज की सुविधाओं से सम्पन्न होगा। मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज के भवन में उर्जा दक्षता, फायर सेफ्टी, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, सोलर पॉवर, इलेक्ट्रिसिटी बेकअप, सिवरेज ट्रीटमेंट प्लॉँट आदि आधुनिक तकनीकिओं का उपयोग होगा।

कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री एवं उज्ज्ैन जिला प्रभारी श्री गौतम टेटवाल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, राज्यसभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक सर्व श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, डॉ. तेज बहादुरसिंह चौहान, श्री जितेन्द्र पंड्या एवं शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावद, महापौर श्री मुकेश टटवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर अंतरसिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, नगरनिगम सभापति अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष श्री सनवर पटेल, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुरसिंह बोरमुण्डला सहित जन-प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

मप्र में ई-ऑफिस प्रक्रिया से कामकाज होगा तेज, पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश सरकार एक जनवरी से मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रक्रिया शुरू करने जा रही है, जिससे सरकारी कार्यालयों में आधुनिकता और दक्षता बढ़ेगी। इस नई प्रक्रिया के तहत पुराने आदेशों और दस्तावेजों को डिजिटाइज किया जा रहा है। इन्हें एक विशेष सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा, जो गूगल सर्च की तर्ज पर काम करेगा। यह सॉफ्टवेयर मंत्रालय के अधिकारियों को पुराने दस्तावेजों तक तुरंत पहुंचने की सुविधा देगा।

डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की शुरूआत

मध्य प्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने अब तक 20,000 से अधिक दस्तावेजों को स्कैन कर लिया है। इन दस्तावेजों में सरकारी सेवाओं, नियमों और शर्तों से संबंधित महत्वपूर्ण आदेश और सर्कुलर शामिल हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के साथ-साथ वित्त विभाग और अन्य विभागों के दस्तावेज भी डिजिटाइज किए जा रहे हैं। वित्त विभाग के आदेशों की स्कैनिंग का कार्य अभी चल रहा है। इसके अलावा, अन्य विभागों को भी अपने दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा दी जाएगी।

कैसे काम करेगा सॉफ्टवेयर?

डिजिटाइजेशन के बाद, मंत्रालय में डेवलप किए गए इस विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग होगा। इसमें किसी भी दस्तावेज से संबंधित जानकारी, जैसे आदेश का नाम या उससे जुड़ी कोई जानकारी टाइप करके सर्च किया जा सकेगा। सॉफ्टवेयर तुरंत ही संबंधित आदेश या सर्कुलर स्क्रीन पर प्रदर्शित करेगा। यह प्रक्रिया न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया को भी तेज बनाएगी।

समय की बचत और पारदर्शिता में मदद

अब तक अधिकारियों को पुराने आदेशों की खोज के लिए कर्मचारियों और बाबुओं पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे कई बार निर्णय प्रक्रिया में देरी हो जाती थी। डिजिटाइजेशन और ई-ऑफिस प्रक्रिया से अब ये दस्तावेज आसानी से उपलब्ध होंगे, जिससे समय की बचत होगी और कामकाज में तेजी आएगी। साथ ही, नई तकनीक से दस्तावेज सुरक्षित रहेंगे, जो पुराने रिकॉर्ड को संरक्षित करने में सहायक होगा।

आधुनिकता और दक्षता की ओर कदम

इस नई प्रक्रिया से सरकारी कार्यालयों में कामकाज का तरीका अधिक आधुनिक और दक्ष होगा। डिजिटा - इजेशन से पारदर्शिता भी बढ़ेगी, क्योंकि सभी दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सुलभ होंगे। यह कदम राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की दिशा में महत्वपूर्ण है।

भविष्य के लिए नई संभावनाएं

यह सॉफ्टवेयर न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य के दस्तावेज प्रबंधन में भी सहायक होगा। मंत्रालय के अधिकारियों को पुराने से पुराने दस्तावेजों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी, जिससे प्रशासनिक कार्यों में र्सुधार होगा। इसके अलावा, अन्य विभाग भी इस प्रक्रिया को अपनाकर अपने कामकाज को तेज और व्यवस्थित बना सकते हैं।

मध्य प्रदेश सरकार की यह पहल सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता, समय प्रबंधन और आधुनिकता लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ई-ऑफिस प्रक्रिया से राज्य का प्रशासनिक ढांचा और अधिक प्रभावी और जनहितैषी बनेगा। इस तकनीकी सुधार से सरकार के कामकाज में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेगा।

मृणाली ने उत्तराखंड में लहराया परचम

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता सिल्वर मेडल

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। उत्तराखंड के हरिद्वार में राष्ट्रीय ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता 2024 का आयोजन हुआ। इसमें मंदसौर की मृणालि अनिल शिंदे (बाबाश्री फ्लेक्स) ने भी हिस्सा लिया।

मंदसौर मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन की खिलाड़ी मृणालि ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। इसी प्रदर्शन से उन्होंने सिल्वर मेडल जीता। मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन के कोच नीतिराजसिंह चौहान, जया सिसोदिया और मृणाली के इष्टमित्रो ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बगैर पीओएस मशीन के उर्वरक विक्रय करने पर पंजीयन निलंबित

नीमच 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। उपसंचालक कृषि नीमच द्वारा मेसर्स भण्डारी उर्वरक बीज भण्डार, प्रो.- राजेश भण्डारी, चीताखेड़ा द्वारा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 का उल्लघन करने पर उनका उर्वरक पंजीयन क्र. RS/432/1401/49/2022, वैधता अवधि – 22.08.2027 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कृषि विभाग द्वारा उर्वरक विक्रेता मेसर्स भण्डारी उर्वरक बीज भण्डावर, चीताखेड़ा का उर्वरक निरीक्षक द्वारा 21 नवम्बर 2024 को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एन.पी.के. के 26 बेग एवं यूरिया के 270 बेग पाये गये, जिसमें से 135 बेग लायसेंस में दर्ज भंडारण स्थाकन के अन्यात्र स्थान पर पाये गये। उक्त उर्वरकों के संबध में ओ फार्म चाहे गये, जिसे संबंधित द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया तथा मौके पर विक्रेता फर्म द्वारा भंडार पंजी का संधारण नहीं करना, मूल्य सूची तथा लायसेंस का प्रदर्शन नहीं करना, फर्म पर फर्म के नाम का बोर्ड नहीं लगाना पाया गया। साथ ही संबंधित फर्म के लायसेंस में दर्ज प्रोपायटर राजेश भंडारी के स्थान पर अन्य व्यक्ति रजनीश जैन द्वारा बिना POS मशीन के उर्वरकों का विक्रय करना पाया गया, जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 का स्पंष्ट उल्ल्घन होने से पंजीयन निलंबित किया गया है।

✻सयुंक्त उठावना✻

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है पुरुषोत्तम जी, स्व. बाबूलाल जी के बड़े भाई सा.एवं दिलीप जी (मुन्ना भाई तेल वाले), स्व. रघुनंदन जी (पप्पू), घनश्याम जी के पिताजी एवं संतोष (दादू), आरुष (गज्जू) के दादाजी श्री हीरालालजी बारोड़ (तेल वाले) का स्वर्गवास दिनांक 21/11/2024 को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 23/11/24 शनिवार को सुबह 11 बजे अग्रसेन मांगलिक भवन - नर्सिंगपुरा, सब्जी मंडी के सामने रखा गया है।

विशेष -

(श्यामलाल जी रामलाल जी सिसोदिया, राजेश जी रामलाल जी सिसोदिया) ससुराल पक्ष का उठावना भी सयुंक्त रहेगा।

शोकाकूल

बारोड़ परिवार (तेलवाले), मन्दसौर , सिसोदिया परिवार, मन्दसौर

फर्म :– मोहन ट्रेडर्स, धानमंडी, पप्पू आइल मिल, बस स्टैंड, संकल्प ट्रेडर्स, बस स्टैंड, श्रवण ट्रेडर्स, धानमंडी, कृष्णा ट्रेडिंग कंपनी, रतलाम

भोपाल में जल्द बनेगी प्रदेश की पहली हाईटेक गोशाला, मुख्यमंत्री आज करेंगे भूमिपूजन

भोपाल 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। राजधानी के हुजूर विधानसभा क्षेत्र में आने वाले विदिशा रोड स्थित बरखेड़ी डोब गांव में प्रदेश की पहली अत्याधुनिक गोशाला बनेगी। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर गुरुवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण सहित अन्य अधिकारियों के साथ गोशाला निर्माण स्थान का निरीक्षण किया।

आधुनिक तरीके से होगा निर्माण...

इस मौके पर विधायक शर्मा ने कहा कि 25 एकड़ क्षेत्र में प्रदेश की पहली हाईटेक गोशाला बनने जा रही है। प्रदेशभर में गोशालाओं के निर्माण के साथ ही गोमाताओं के आहार और सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस गोशाला में 10 हजार गोमाताओं को रहने की व्यवस्था होगी। इसमें चौबीस घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी भी लगेंगे। जैविक खाद निर्माण का संयंत्र भी लगेगा। इसमें गायों के आधुनिक तरीके से रख-रखाव के साथ ही उनके उपचार के लिए सभी संसाधनों से युक्त चिकित्सा वार्ड का भी निर्माण किया जाएगा।

नगर निगम करेगा संचालन

यहां पर यह बता दें कि ग्रामीण यांत्रिकी विभाग द्वारा लगभग 15 करोड़ रुपए की लागत की गोशाला का निर्माण कराया जाएगा। नगर निगम एवं पशुपालन विभाग नोडल एजेंसी होंगे। इस गोशाला की फंडिंग स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और जिला पंचायत द्वारा की जाएगी। वहीं गोशाला का संचालन नगर निगम द्वारा किया जाएगा।

तीन चरणों में होगा निर्माण

इस अत्याधुनिक गोशाला का निर्माण तीन चरणों में होगा। जिसमें प्रथम चरण में लगभग 2 हजार पशु क्षमता का निर्माण किया जाएगा। इस अत्याधुनिक गोशाला में गायों को भूसा, हरी घास, पशु आहार आदि कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से पहुंचाया जाएगा।

जैविक खाद संयंत्र लगेगा

गोशाला में गाय के गोबर एवं मूत्र से विभिन्न सामग्री तैयार की जाएगी और जैविक खाद निर्माण के लिए संयंत्र भी लगाया जाएगा। गोशाला में रहने वाले पशुओं एवं सड़कों पर घायल एवं बीमार होने वाले मवेशियों के उपचार के लिए चिकित्सा वार्ड भी बनाया जा रहा है।

गौरतलब है कि प्रदेश की मोहन सरकार वर्तमान हिंदू वर्ष (चैत्र माह से फाल्गुन माह तक) को गो-संरक्षण एवं गो-संवर्धन वर्ष के रूप में मना रही है। इसके तहत सरकार द्वारा गोवंशी पशुओं के हित में कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक पंजीयन निलंबित

नीमच 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कृषि विभाग द्वारा मेसर्स गायत्री इंटरप्राईजेस, महू रोड़ नीमच द्वारा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 का उल्लांघन करने पर उनका उर्वरक पंजीयन क्र. RS/102/NMH, वैधता अवधि – 31.03.2027 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कृषि विभाग द्वारा उर्वरक विक्रेता मेसर्स गायत्री इंटरप्राईजेस, महू रोड़ नीमच का उर्वरक निरीक्षक, वि.ख.- नीमच द्वारा 21 नवम्बनर 2024 को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एन.एफ.एल. यूरिया के 2250 बेग, सरदार अमोनियम सल्फेट के 107 बेग, तीस्ताद एग्रो इण्डि. SSP के 34 बेग, IFFCO DAP के 57 बेग, इंडियन पोटाश लिमि. चजझ के बेग अव्व्यस्थित भंडारित पाये गये। उक्त उर्वरकों के संबंध में ओ फार्म चाहे गये, जिसे संबंधित द्वारा प्रस्तुबत नहीं किया गया तथा मौके पर विक्रेता फर्म द्वारा भंडार पंजी का संधारण नहीं करना, क्रेता को केश मेमो जारी नहीं करना पाया गया, जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 का स्पसष्ट उल्लेंघन होने से संबंधित विक्रेता का उर्वरक पंजीयन निलंबित किया गया है।

हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान वर्ष भर चलेगा जन जागरूकता अभियान

संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश में चलेगा अभियान, संसदीय कार्य विभाग ने विभागाध्यक्ष और कलेक्टर्स को जारी किया पत्र

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। देश में 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद तैयार किया गया संविधान 26 नवम्बर 1949 को अपनाया गया था। इसके बाद देश में 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया था। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान की जानकारी के प्रति जन-जागरूकता के लिये 26 नवम्बर 2024 से वर्ष भर चलने वाला 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में संसदीय कार्य विभाग ने शासन के समस्त विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर्स को पत्र जारी कर निर्देश जारी किये हैं।

अभियान के दौरान जन-सामान्य को संविधान की प्रस्तावना, संविधान का निर्माण और देश के संविधान पर गर्व करने जैसे बिन्दुओं पर मुख्य रूप से जानकारी दी जायेगी। इसी दौरान जन-समुदाय के बीच में संविधान पर केन्द्रित कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। वर्ष भर की गतिविधियों को एक डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने के लिये वेबसाइट const itution 75.com भी तैयार की गई है।

वेबसाइट में गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो अपलोड किये जा सकेंगे। इस अभियान में युवाओं और स्कूल के बच्चों को अधिक से अधिक जोड़ने के लिये एक अन्य वेबसाइट https://www.mygov.in: पर संविधान विषय पर निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता की तस्वीरें साझा की जा सकती हैं।

स्थापना दिवस पर आयोजन

संविधान के स्थापना दिवस 26 नवम्बर 2024 को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रमों में जन-प्रतिनिधि नागरिकों के बीच संविधान की प्रस्तावना को पढ़ेंगे। इसी दिन प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों में भी सामुहिक रूप से संविधान प्रस्तावना का वाचन किया जायेगा।

ग्राम पंचायतों को बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान का प्रचार करने के लिये मायभारत स्वयं सेवकों के माध्यम से संविधान स्वाभिमान यात्राएं आयोजित किये जाने के लिये भी कहा गया है। यह यात्राएं अनुसूचित जाति - अनुसूचित जनजाति घनत्व वाली आबादी में विशेष रूप से हो। यात्रा के दौरान बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। ग्राम सभाओं में संविधान के अनुच्छेद-51(ए) में नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्यों को पढ़कर सुनाया जायेगा।

परीक्षा परिणाम पर आयोजित हुई समीक्षा बैठक

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय लाल बहादुर शास्त्री उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में आयोजित जिले के प्राचार्यों र्की बैठक में संयुक्त संचालक श्रीमती रमा नाहटे ने जिले के प्राचार्यों र्को कक्षा 10वीं व 12 वीं बोर्ड के परिणाम सुधारने हेतु किये जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की एवं बोर्ड के नये पैटर्न के अनुसार आने वाले प्रश्न पत्रों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के लिये कहा है। साथ ही कमजोर विद्यार्थियों के लिये निदानात्मक कक्षाओं के आयोजन किया जाए। एवं पाठ्यक्रम की पूर्णता व पुनरावर्ती पर ध्यान दिया जाये।

इस अवसर पर सहायक संचालक श्री संजय जी ने कहा कि हमें पूरे जिले को पिछले वर्ष के परिणाम को बढ़ाते हुए कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित करना है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेन्द्र डाबी एवं उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य डॉ. विनिता प्रधान, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी आनन्द डावर व जिले के विभिन्न सीएम राईज एवं पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्य उपस्थित थे। आभार सहायक संचालक सुश्री टेरेसा मिंज ने व्यक्त किया।

✻✻ उठावना✻✻

(महिला एवं पुरुषों की संयुक्त बैठक)

स्वर्गीय सेठ श्री कौड़ामलजी बालवानी के सुपुत्र, महादेव (माधु) बालवानी के बड़े भाई, सचिन, जैकी के पूज्यनीय पिताजी एवं दिनेश, नरेन्द्र के बड़े पापा सेठ श्री अशोक कुमारजी बालवानी का स्वर्गवास दिनांक 21 नवम्बर 2024 को हो गया है। जिनका उठावना आज दिनांक 23 नवम्बर 2024, शनिवार शाम 4 बजे संत कंवरराम रिसोर्ट, संत कंवरराम कॉलोनी, स्टेशन रोड़, मंदसौर पर रखा गया है।

शोकाकुल

बालवानी परिवार मन्दसौर

सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को लगा झटका, कोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

लखनऊ 22 नवम्बर। ज्ञानवापी परिसर मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में मुस्लिम पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हिन्दू पक्ष की मांग थी कि ज्ञानवापी से जुड़े 15 मामले इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक साथ सुने जाएं जिसपर आपत्ति जताते हुए मुस्लिम पक्ष ने इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन फाइल किया था। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी कर 15 दिनों में जवाब मांगा है।

क्या है पूरा मामला ?

वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि आज, सील किए गए क्षेत्र की एएसआई जांच की मांग करते हुए मामले को बहुत ही सीमित आईए में अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था। 16 मई, 2022 को, हमने दावा किया कि तथाकथित शिवलिंग पाया गया था। वजू टैंक क्षेत्र में। अंजुमन इंतेज़ामिया इसका खंडन करता है और कहता है कि यह एक फव्वारा है। हमने इस क्षेत्र की एएसआई जांच के लिए कहा था और हमने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक आईए (अंतरिम आवेदन) दायर किया था जिसे आज सूचीबद्ध किया गया था। सुप्रीम कोर्ट की ओर से नोटिस जारी किया गया है और कोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया को दो हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है।

हिन्दू पक्ष के वकील ने क्या कहा ?

हिन्दू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने बताया कि मामला शुरुआत में हाई कोर्ट से सुनवाई के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वजूखाने में मिला शिवलिंग सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सुरक्षित है। हालांकि, अभी तक शिवलिंग का पुरातात्विक सर्वेक्षण नहीं किया गया है और यह तय नहीं किया गया है कि यह एक शिवलिंग है या एक फव्वारा।

12 में से 8 तहखानों का नहीं हुआ सर्वेक्षण

मदन मोहन यादव ने आगे कहा कि जैसा कि मुस्लिम पक्ष का दावा है, उनका तर्क है कि यह एक फव्वारा है। इसके अतिरिक्त, एएसआई सर्वेक्षण ज्ञानवापी मस्जिद में बारह में से आठ तहखानों को कवर करने में असमर्थ रहा और मुख्य गुंबद के नीचे के स्थान का सर्वेक्षण, जहां काशी विश्वनाथ का ज्योतिर्लिंग स्थित है अभी पूरा नहीं किया जा सका।

क्या है सुनवाई की अगली तारीख ?

सुप्रीम कोर्ट मामले में अगली सुनवाई की अगली तारीख 17 दिसंबर दी है। बताया जाता है कि वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिला था जिसे मुस्लिम पक्ष ने फब्बारा बताया था। इसी सिलसिले में आज सुप्रीम कोर्ट में हिंदू पक्ष की याचिका पर सुनवाई हुई और मुस्लिम पक्ष को दो हफ्ते के अंदर जवाब दाखिल करने का नोटिस जारी किया गया है।

कार से मिला डोडाचूरा और स्मैक, 1 गिरफ्तार, 7 फरार

नाहरगढ़, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कार में स्मेक व डोडाचूरा ले जाते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जबकि, सात आरोपी फरार है।

मुखबीर की सूचना पर पुलिस ने झलारा-कचनारा मार्ग पर कालेश्वर दरबार मंदिर के सामने एरा की ओर से आ रही रैनाल्ड केप्चर कार को रोका। तलाशी के दौरान प्लास्टिक थेलियों में भरी 540 ग्राम स्मेक व कट्टे में भरा 5 किलो 200 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान एरा निवासी बालमुकुन्द पिता अमरलाल धाकड़ बताई। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि स्मेक बनाने के लिए उसे अफीम क्रुड व एसीटिक एन्हाईड्राईट टिकरिया राजस्थान निवासी बहादरसिंह, गुराड़िया लाल मूहा निवासी ओमप्रकाश पाटीदार, सोनगरी निवासी राजू मेवाती, लोध निवासी रामजस कुमावत, साखतली निवासी दशरथ पाटीदार व धतुरिया निवासी मांगीलाल, सूरजनी निवासी फिरोज देते थे। नाहरगढ़ टीआई प्रभात गौड़ के अनुसार इन सभी आरोपियों के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। इनमें से दो आरोपी पहले से जैल में है, शेष पांच की तलाश जारी है।

आज पशुपतिनाथ मेला में डिम्पल शाह डांस ग्रुप की प्रस्तुति होगी

मंदसौर 22 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, सीएमओ सुधीर कुमारसिंह, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे ने बताया कि आज दिनांक 23 नवम्बर शनिवार को रात्रि 8.30 बजे से देर रात्रि तक भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर डिम्पल शाह डांस ग्रुप नाईटस का आयोजन होगा।

डिम्पल शाह व उनका डांस ग्रुप देशव प्रदेश में कई सांस्कृतिक रंगमंचों पर अपनी प्रस्तुति दे चुका है। मंदसौर नगर व जिले के गणमान्य नागरिकों से आग्रह है कि वे इस कार्यक्रम आनंद लेने हेतु मेला में अवश्य पधारे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in